INDIAN SCHOOL SOHAR **SET-I**
PERIODIC TEST-I (2024-25)
HINDI (COURSE-B)

CLASS: IX **MAX. MARKS:20**
DATE: 22/05/2024 **TIME : 40 MINUTES**

सामान्य निर्देश :
- कुल प्रश्नों की संख्या पाँच है ।
- प्रत्येक प्रश्न को ध्यानपूर्वक पढ़ते हुए यथासंभव क्रमानुसार उत्तर लिखिए ।

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (1x4=4)

विद्वान लोग नम्रता को स्वतंत्रता की जननी मानते हैं | आत्मसंस्कार हेतु स्वतंत्रता आवश्यक है | मर्यादापूर्वक जीवन व्यतीत करने के लिए आत्मनिर्भरता आवश्यक है | आत्ममर्यादा हेतु आवश्यक है कि हम बड़ों से सम्मानपूर्वक तथा छोटों और बराबर वालों के साथ कोमलता का व्यवहार करें | युवाओं को याद रखना चाहिए कि उनका ज्ञान कम है | वे अपने लक्ष्य के पीछे हैं तथा उनकी आकांक्षाएँ उनकी योग्यताओं से अधिक हैं | सभी लोग युवाओं से कुशल आचरण और विनम्रता की उम्मीद करते हैं | नम्रता का अर्थ दूसरों का मुँह ताकना नहीं है | इससे तो प्रज्ञा मंद पड़ जाती है,संकल्प क्षीण होता है,विकास रुक जाता है तथा निर्णय क्षमता नहीं आती | मनुष्य को अपना भाग्यविधाता स्वयं होना चाहिए | हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि हमें अपने फैसले स्वयं ही करने होंगे | विश्वासपात्र मित्र भी हमारी ज़िम्मेदारी नहीं ले सकता | हमें अनुभवी लोगों के अनुभवों से लाभ उठाना चाहिए लेकिन हमारे निर्णयों तथा विचारों से ही हमारी रक्षा व हमारा पतन होगा | हमें नज़रें तो नीची रखनी हैं लेकिन सामने का रास्ता भी देखना है | हमारा व्यवहार कोमल तथा उच्च होना चाहिए | हमारी प्रवृत्ति ऐसी होनी चाहिए कि संक्रमणकाल में भी हम स्वयं को साधारण रख पाएँ | वही मनुष्य कर्मक्षेत्र में श्रेष्ठ और उत्तम रहते हैं ,जिनमें बुद्धि, चतुराई तथा दृढ़ निश्चय होता है |

प्रश्न-

(i) 'अपना भाग्य विधाता' से क्या तात्पर्य है ?
(क) स्वयं को विधाता मानना
(ख) स्वयं अपना निर्णय लेना
(ग) संकल्पवान होना
(घ) भाग्य पर विश्वास करना

(ii) मनुष्य अपना भाग्यविधाता कैसे बनता है ?
(क) अपने फैसले स्वयं लेकर
(ख) अनुभवी लोगों से लाभ उठाकर
(ग) अपने व्यवहार को कोमल और उच्च बनाकर
(घ) उपर्युक्त सभी

(iii) प्रस्तुत गद्यांश में मूलतः स्वतंत्रता की जननी किसे माना गया है ?
(क) आत्मनिर्भरता को
(ख) मर्यादा को
(ग) नम्रता को
(घ) आकांक्षा को

(iv) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए –
कथन (A) : विनम्रता के बिना स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं होता।
कारण (R) : मनुष्य में स्वतंत्रता का भाव आते ही अहंकार आ जाता है।
(क) कथन (A) तथा कारण(R)दोनों ही गलत हैं।
(ख) कथन (A) तथा कारण(R) दोनों सही हैं तथा कारण(R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
(ग) कथन (A) सही है तथा कारण(R) गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथन (A) गलत है तथा कारण(R) सही है।

प्रश्न 2 – निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (1x5 =5)

(i) वाक्य में प्रयुक्त होने पर शब्द क्या कहलाता है ?

(ii) 'सम्बन्ध' में उचित स्थान पर अनुस्वार लगाकर मानक रूप लिखिए।

(iii) 'बाट' में उचित स्थान पर अनुनासिक लगाकर मानक रूप लिखिए।

(iv) 'राहुल दूध पिएगा_।' वाक्य में कितने पद हैं ?

(v) 'फूकना' में उचित स्थान पर अनुनासिक लगाकर मानक रूप लिखिए

प्रश्न 3 – निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में लिखिए – (2+2)

(i) बुढ़िया का बेटा अपने परिवार का निर्वाह कैसे करता था ?

(ii) 'दुःख का अधिकार' पाठ में लेखक ने मनुष्य के जीवन में पोशाक का क्या महत्त्व बताया है ?

प्रश्न 4. 'गिल्लू' पाठ में लेखिका ने गिल्लू को मुक्त करने की आवश्यकता क्यों समझी और उसके लिए लेखिका ने क्या उपाय किया ? उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए। (3)

प्रश्न 5 .निम्न चित्र को देखकर आपके मन में जो विचार उठें, उन्हें लगभग 60 शब्दों में लिखिए - (4)